मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 67, मुंबई, शुक्रवार, 8 अप्रैल, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

काशीमीरा में लेडीज ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा

लाइव ऑर्केस्ट्रा प्रदर्शन की आड़ में घटिया डांस शो में शामिल होने के आरोप में पुलिस टीम ने ऑपरेटर, संगीतकार, कैशियर, वेटर, बार-गर्ल और 30 संरक्षक सहित 41 लोगों को किया गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

ठाणे। महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों से छूट मिलने के एक हफ्ते से भी कम समय के बाद, कुछ बार मालिकों ने अनैतिक और अश्लील गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की अपनी पुरानी कुख्याति के साथ वापसी की है। बुधवार देर रात मीरा भायंदर के काशीमीरा में एक महिला-सह-ऑर्केस्ट्रा बार में पुलिस की एक टीम द्वारा छापेमारी के बाद यह स्पष्ट हो गया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

साउथ मुंबई एमआरए मार्ग पुलिस की सोशल सर्विस ब्रांच ने मस्जिद बंदर क्रैंक रोड के बॉम्बे फैंसी बार पर रेड मारकर 9 लोगों को गिरफ्तार किया और 4 लड़कियों को किया रेस्क्यू

छोपमारी में 19,000 रुपये नकद जब्त

मध्यप्रदेश पुलिस ने पत्रकारों को थाने में बुलाकर किया निर्वस्त्र!

बीजेपी विधायक के खिलाफ खबर चलाने का आरोप

मुंबई हलचल / संवाददाता

सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक डिजिटल पत्रकार और उसके साथियों के साथ थाने में बेहद शर्मनाक व्यवहार की खबर सामने आई है। पुलिस ने थाने में पत्रकार और उसके साथियों को न सिर्फ अर्धनग्न होने पर मजबूर किया बल्कि उनकी जमकर पिटाई भी की। सोशल मीडिया पर सीधी पुलिस की इस करतूत पर तीखी नाराजगी सामने आ रही है। पूरा मामला स्थानीय डिजिटल पत्रकार कनिष्क तिवारी से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि भाजपा विधायक ने उनके खिलाफ एक खबर को लेकर पत्रकार की शिकायत की थी।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

प्रेस की आजादी के मामले में भारत 142 वें नंबर पर है। रिपोर्टर्स विदआउट बार्डर्स के मुताबिक भारत में मोदी सरकार ने मीडिया को पूरी तरह नियंत्रित कर रखा है। छोटी-छोटी घटनाओं में पत्रकारों को गिरफ्तार कर लिया जाता है

यूपी और एमपी के पत्रकारों पर पुलिस और नेताओं के अत्याचार की कहानियां अक्सर सामने आती हैं। लेकिन एमपी की घटना सारी हदों को पार कर गई है। हैरानी है कि देश में पत्रकारों के बड़े-बड़े संगठन हैं लेकिन वे ऐसे मामलों में विरोध के बजाय चुप्पी साध लेते हैं। कई पत्रकार संगठन तो अलग-अलग विचारधाराओं को मानते हुए उसी तरह से व्यवहार करते हैं। यह भी एक विडम्बना है कि देश में जब भी बड़े नाम वाले पत्रकारों पर कोई कार्रवाई होती है तो वो सुर्खियां बन जाते हैं और तुरंत तमाम संगठन आंदोलन के लिए भी तैयार हो जाते हैं। लेकिन बलिया और सीधी (एमपी) जैसी घटनाओं पर पत्रकार संगठनों का जमीर नहीं जागता है।

कांग्रेस ने मूल्यवृद्धि के मुद्दे पर मुंबई में विरोध मार्च निकाला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने ईंधनों के बढ़ते दाम एवं महंगाई को लेकर यहां विरोध मार्च निकाला एवं चेतावनी दी कि यदि आम लोगों को राहत प्रदान करने के लिए जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो वह केंद्र की भाजपानीत सरकार का सत्ता में बने रहना 'दूभर' कर देगी। पार्टी के एक बयान के अनुसार यहां भवंस कॉलेज से अगस्त क्रांति मैदान तक निकाये गये मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने किया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

रोकिए नरसंहार

युद्ध से त्रासद खबरों का आना बेरोक जारी है। अमानवीयता की बदतर तस्वीरें सामने आने लगी हैं। यूक्रेन के बुका में जैसे नरसंहार के संकेत मिले हैं, उससे पूरी दुनिया में चिंता की लहर दौड़ गई है। भारत ने पहली बार पूरी दृढ़ता से हिंसा की निंदा की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यूक्रेन की स्थिति पर लोकसभा में बताया कि भारत इस संघर्ष के पूरी तरह खिलाफ है और तत्काल हिंसा खत्म करने के पक्ष में है। अब तक भारत से यह सवाल बार-बार पूछा जा रहा था कि वह किसके साथ है, इस सवाल का जवाब देते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने यदि कोई पक्ष चुना है, तो वह शांति का पक्ष है। लोकसभा में जयशंकर ने कहा कि भारत का रुख राष्ट्रीय विश्वास एवं मूल्यों, राष्ट्रीय हितों और राष्ट्रीय रणनीति के तहत निर्देशित है। हिंसा व बेगुनाहों के जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकल सकता। संवाद और राजनय ही एकमात्र उपाय है। भारत का यह रुख स्वागतयोग्य है। युद्ध के विरुद्ध और शांति के पक्ष में भारतीय नेताओं को लगातार अपने विचार दुनिया के सामने रखने पड़ेंगे। दुनिया में कतई यह संदेश नहीं जाना चाहिए कि भारत युद्ध या हमले के पक्ष में है। बुका में अगर नरसंहार की खबरें सही हैं, तो इसकी स्वतंत्र जांच के पक्ष में भारत खड़ा हो गया है। यह भारत के रुख में एक बड़ा बदलाव है। हालांकि, हमें सावधान रहना चाहिए, क्योंकि असत्य या दुष्प्रचार के सहारे भी निर्मम युद्ध या हमले हम देख चुके हैं। युद्ध में शामिल ताकतें अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। अतः युद्ध क्षेत्र से आने वाली खबरों को अच्छी तरह से परखते हुए ही चलना चाहिए। अगर भारत युद्ध को रोकने की स्थिति में है, तो उसे अपनी भूमिका से हिचकना नहीं चाहिए। युद्ध के समय सच को सच और झूठ को झूठ कहने और मानवीयता का पक्ष मजबूत करने का काम भारत सरकार बेहतर कर सकती है। रूस ने अगर आम लोगों को जान-बूझकर निशाना बनाना शुरू कर दिया है, तो उसकी निंदा जरूर होनी चाहिए। किसी भी युद्ध को जल्दी जीतने के लिए निर्मम सैन्य कमांडर यह रणनीति अपनाते हैं, लेकिन यह कभी नहीं भूलना चाहिए, युद्ध के समय निहत्थों को निशाना बनाना मूलतः कायरता है। ऐसी निंदनीय कायरता से कथित शक्तिशाली देशों को बाज आना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री ने बिल्कुल सही कहा है कि सभी देशों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों, सभी की क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। चालीस दिन से युद्ध जारी है, किसको क्या हासिल हुआ है? सोच लेना चाहिए। रूस अपने घाव छिपा रहा है, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि इन घावों को ठीक करने में रूस को कई दशक लग जाएं। यह हमारी दुनिया का दुर्भाग्य है कि इराक, अफगानिस्तान से सबक सीखने के बाद जब अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है, तब यूक्रेन में रूसी दुस्साहस ने पूरी दुनिया को विचलित कर रखा है। यूक्रेन से बच्चे भाग रहे हैं, लोग भाग रहे हैं, दुनिया का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो रहा है। तबाही रोकने की हरसंभव कोशिश भारत को करनी चाहिए। क्या रूस और यूक्रेन के बीच कोई समझौता संभव है? क्या भारत दोनों देशों को एक मंच पर ला सकता है? अगर इस दिशा में भारत को कामयाबी मिलती है, तो यह खुद भारत के हित में होगा। वरना गौर से गिन लीजिए, एक-एक कर अनेक देशों की स्थिति बिगड़ने लगी है।

सार्वजनिक शिक्षा स्वास्थ्य का लौटेगा दौर!

दो राज्यों में आम आदमी पार्टी की सफलता ने इस बात को स्थापित किया है कि विकास के नाम पर ऊंची इमारतों और चिकनी सड़कों के निर्माण के साथ साथ अगर सामाजिक मुद्दों पर खर्च बढ़ाया जाए तो उसका राजनीतिक फायदा मिल सकता है। आर्थिक व औद्योगिक विकास के बरक्स सामाजिक विकास समय की जरूरत है। अगर आज सरकारें सामाजिक विकास पर ध्यान देंगी और उस पर खर्च बढ़ाएंगी तो आने वाले समय में आर्थिक व औद्योगिक विकास की मजबूत बुनियाद बनेगी।

बहुत समय नहीं बीता, जब भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सार्वजनिक उपक्रम थे। लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकारों की जिम्मेदारी होती थी। स्कूल, कॉलेज और अस्पताल सरकारी होते थे। निजी शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों की संख्या बहुत मामूली थी और देश की बहुत छोटी आबादी उनका इस्तेमाल करती थी। आर्थिक उदारीकरण के बाद सुनियोजित तरीके से शिक्षा और स्वास्थ्य की सरकारी व्यवस्था को कमजोर किया गया ताकि निजी शिक्षण संस्थान और अस्पताल फल-फूल सकें। ऐसा नहीं है कि सिर्फ शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐसा हुआ। संचार से लेकर परिवहन तक लगभग हर सेक्टर में यह देखने को मिला। सो, सवाल है कि क्या समय का चक्र उलटा घुमाया जा सकता है? क्या सब कुछ पहले की तरह हो सकता है?

हर सेक्टर में ऐसा संभव नहीं है। लेकिन कम से कम शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पुरानी व्यवस्था बहाल हो सकती है। इस उम्मीद के दो कारण हैं। पहला कारण कोरोना वायरस की महामारी है, जिसने सस्ती और बेहतर शिक्षा व स्वास्थ्य व्यवस्था की जरूरत को रेखांकित किया है। दूसरा कारण दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार के शिक्षा व स्वास्थ्य मॉडल की सफलता है। केजरीवाल ने अपनी तमाम राजनीतिक नाटकीयताओं के बावजूद सार्वजनिक शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को राजनीतिक विमर्श का केंद्र बना दिया है। गुजरात और दिल्ली मॉडल का यह बुनियादी फर्क है। गुजरात मॉडल के तहत स्कूल-कॉलेज व अस्पताल नहीं दिखाए गए थे, बल्कि औद्योगिक व आर्थिक विकास दिखाया गया था। उसके उलट केजरीवाल दूसरे राज्यों में जाकर अपने स्कूल और अस्पताल दिखा रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन दिल्ली आए तो सरकारी स्कूल देखने गए। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वे दिल्ली के सरकारी स्कूलों की तर्ज पर अपने यहां स्कूल विकसित करवाएंगी।

पता नहीं स्टालिन और ममता बनर्जी ऐसा कर पाएंगे या नहीं लेकिन यह बहुत बड़ी बात है कि तीन दशक के बाद समय का पहिया उलटा घूम रहा है। तीन दशक पहले आर्थिक उदारीकरण के साथ यह धारणा बनी थी कि सरकारी स्कूलों में अच्छी पढ़ाई नहीं होती है और अगर किसी को अपने बच्चों का भविष्य बनाना है तो उसे निजी स्कूल में भेजना होगा। इसका नतीजा यह हुआ कि गली गली में निजी स्कूल खुलने लगे। सरकारी अस्पतालों के बारे में भी ऐसी ही धारणा बनाई गई। ऐसा नहीं है कि यह धारणा अपने आप बनी। सरकारों ने भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च घटाना शुरू किया। शिक्षकों और डॉक्टरों की नियुक्ति कम की। स्कूल और अस्पताल बनाने बंद किए और इस तरह अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य की व्यवस्था निजी हाथों में सौंप दी। केजरीवाल ने भले अपने राजनीतिक फायदे के लिए किया हो लेकिन उनकी दिल्ली सरकार ने बजट का लगभग 40 फीसदी हिस्सा शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च करना शुरू किया है। ऐसा नहीं है कि इससे निजी शिक्षण संस्थानों और अस्पतालों की जो शृंखला बनी है वह बंद जाएगी लेकिन उसके बरक्स सस्ती व बेहतर गुणवत्ता वाले सरकारी स्कूल व अस्पतालों की व्यवस्था विकसित होगी तो देश की बड़ी आबादी को उसका लाभ मिलेगा।

कोरोना वायरस की महामारी ने भी एक अवसर उपलब्ध कराया है। इस बात को ऐसे भी कह सकते हैं कि कोरोना महामारी और उससे पहले देश की अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती ने लोगों को मजबूर किया कि वे शिक्षा और स्वास्थ्य की सरकारी व्यवस्था की ओर देखें। एनुअल स्टैट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी एएसईआर के मुताबिक 2018-21 के बीच सरकारी स्कूलों में दाखिले में छह फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जाहिर है यह बढ़ोतरी लोगों की आर्थिक स्थिति में आई गिरावट के कारण हुई है। यह आंकड़ा 2018-21 का है, इसके अगले एक साल में स्थिति और खराब हुई है। मध्य वर्ग का बड़ा हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे गया है। उसकी मजबूरी हो गई है कि वह अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराए। ऐसे में अगर सरकारें व्यवस्था में सुधार करती हैं, शिक्षकों की नियुक्ति करती हैं और नए स्कूल-कॉलेज बनवाए जाते हैं तो सरकारी स्कूलों में लौटे बच्चों को उसी स्कूल में बनाए रखा जा सकता है। इसके लिए सरकारी खर्च में बढ़ोतरी करनी होगी। आमतौर पर महामारी के दौरान शिक्षा पर खर्च कम होता है। भारत में भी हुआ। पिछले साल शिक्षा पर खर्च में छह फीसदी की कमी हुई थी लेकिन अगले साल के लिए इसमें 12 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह कोरोना महामारी ने स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों को उजागर किया है। राजधानी दिल्ली से लेकर देश के दूसरे हिस्सों में भी देखने को मिला कि सरकारी अस्पतालों में लोगों को बेहतर इलाज मिला, जबकि निजी अस्पतालों में लूट हुई। निजी अस्पतालों ने टेस्ट से लेकर इलाज और इंजेक्शन से लेकर दवा के नाम पर मरीजों को लूटा। अनाप-शनाप पैसे बनाए और इसके बावजूद खराब इलाज, दवा और ऑक्सीजन की कमी से लोग मरे। ऑक्सीजन की कमी से ज्यादातर मौतें निजी अस्पतालों में हुईं। सो, लोगों का निजी अस्पतालों से मोहभंग हुआ और आर्थिक बदहाली से मजबूरी भी हुई कि वे सरकारी अस्पतालों की तरफ देखें। अब जरूरत इस बात की है कि सरकारी स्कूलों और अस्पतालों को लेकर बनी धारणा को तोड़ा जाए। जनता और सरकार दोनों मिल कर यह काम कर सकते हैं। लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि नवोदय और केंद्रीय विद्यालयों की गुणवत्ता किसी भी निजी स्कूल के टक्कर की है। दिल्ली विश्वविद्यालय से लेकर जेएनयू, जामिया और बीएचयू जैसे संस्थान किसी भी निजी विश्वविद्यालय से बेहतर हैं। एम्स से लेकर सफरदजंग, एलएनजेपी और जीबी पंत अस्पताल का इलाज किसी निजी अस्पताल के इलाज से अच्छा है।

और अब तो पंजाब में आम आदमी पार्टी की जीत से यह भी प्रमाणित हो गया है कि स्कूल और अस्पताल बनवा कर वोट हासिल किया जा सकता है और चुनाव जीता जा सकता है। दो राज्यों में आम आदमी पार्टी की सफलता ने इस बात को स्थापित किया है कि विकास के नाम पर ऊंची इमारतों और चिकनी सड़कों के निर्माण के साथ साथ अगर सामाजिक मुद्दों पर खर्च बढ़ाया जाए तो उसका राजनीतिक फायदा मिल सकता है। आर्थिक व औद्योगिक विकास के बरक्स सामाजिक विकास समय की जरूरत है। अगर आज सरकारें सामाजिक विकास पर ध्यान देंगी और उस पर खर्च बढ़ाएंगी तो आने वाले समय में आर्थिक व औद्योगिक विकास की मजबूत बुनियाद बनेगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, शुक्रवार
8 अप्रैल 2022

मुंब्रा पुलिस के हत्थे चढ़े गुटका विक्रेता

मोबाइल चोर, नशीली अमली पदार्थ के सौदागर, और मटका किंग, मुंब्रा पुलिस के गिरफ्त में

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। नवनिर्वाचित मुंब्रा पुलिस स्टेशन की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग ने कमान संभालते ही छक्के चौकों की बारिश करना शुरू कर दी। बताते चलें वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक को मात्र कुछ ही दिन हुए है अपना कार्यभार संभाले उन्होंने मुंब्रा शहर में नशे के सौदागरों पर लगाम कसना शुरू कर दिया है। मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक द्वार 6 अप्रैल बुधवार श्याम 6:00 बजे ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया 4 अप्रैल सोमवार को पुलिस को खबरी द्वारा खबर मिली थी कुछ गुटखा विक्रेता अपना माल बेचने के लिए मुंब्रा में आ रहे हैं। खबर मिलते ही पुलिस निरीक्षक गुनाह के गिताराम शेवाळे एनडीपीएस के पीएसआई हर्षद काळे एपीआई संतोष उगल मुगले और उनकी टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 63 गोनी प्रतिबंधित सुगंधित स्वादिष्ट तंबाकू सुपारी गुटखा पान मसाला जप्त किया जब्त किए गए। माल की कुल कीमत बाजार में 7,76,750 रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद दानिश अंसार अहमद अंसारी यह व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। वहीं दूसरी कार्यवाही करते हुए खबरी द्वारा खबर मिलने पर एक किलोग्राम वजन का अमली पदार्थ गांजा पुलिस ने बायपास से सटा ब्रिज के नीचे एमएच चाल के करीब खंडहर में प्लास्टिक की ब्लू पॉलिथीन में बरामद किया। जिसकी कुल कीमत बाजार में 15 हजार रूपए बताई जा रही है। इसमें गिरफ्तार आरोपी के नाम असलम फखरे आलम खान, जावेद हुसैन अब्दुल सुल्तान पूरी, शोएब युसूफ शेख, तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसके साथ में नशे का सेवन करने वाले नशेड़ी पर भी अमली पदार्थ गांजा का सेवन करने वाले पांच आरोपियों को मुंब्रा पुलिस ने गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया और तीसरी कार्यवाही मुंब्रा परिसर बाजार में अवैध मटका जुगार चलाने वाले पर कार्रवाई करते हुए 23 लोगों को हिरासत में लिया गया जो मटके पर जुगार खेलने आए थे। वही चौथी कार्यवाही करते हुए एनडीपीएस के पीएसआई हर्षद काळे के खबरी द्वारा खबर मिलने पर एक एक्टिवा सवार व्यक्ति अपनी स्कूटी में एमडी पाउडर लेकर गोवंडी से माल बेचने आ रहा है हर्षद काळे ने तत्परता दिखाते हुए उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया तलाशी के दौरान उसकी गाड़ी में से 55 ग्राम एमडी पाउडर बरामद किया गया जिसकी बाजार में कुल कीमत 5,50,000/-रुपए बताई जा रही है गिरफ्तार किया गया आरोपी का नाम अब्दुल समद इकबाल शेख यह व्यक्ति गोवंडी का बताया जा रहा है वही पाचवी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो शातिर मोबाइल चोरो से 13 मोबाइल फोन बड़ी-बड़ी कंपनियों के जप्त किए जिसकी बाजार में कुल कीमत 1,04,000/-रुपए बताई जा रही है गिरफ्तार आरोपी के नाम अमीन मोहम्मद सादिक शेख, इम्तियाज अब्दुल शेख, यह दो आरोपी को पुलिस ने मोबाइल चोरी के वारदात को अंजाम देने में गिरफ्तार किया है मुंब्रा पुलिस द्वारा की गई इस तेजतर्रार कार्रवाई में 1,430,750/-रुपए का माल जप्त किया यह कार्रवाई माननीय श्री जय जीत सिंह पुलिस आयुक्त ठाणे शहर, माननीय श्री सुरेश मेकला पुलिस सहायक आयुक्त, माननीय श्री अनिल कुंभारे अप्पर पुलिस आयुक्त, माननीय श्री अविनाश अंबुरे पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक थाने, माननीय श्री व्यकंट आंघळे सहायक पुलिस आयुक्त कलवा विभाग, इनके मार्गदर्शन में मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग, पुलिस निरीक्षक गुनाह एपीआई गिताराम शेवाळे, सहायक पुलिस निरीक्षक संतोष उगल मुगले, पुलिस उप निरीक्षक एनडीपीएस के हर्षद काळे, इनकी टीम द्वारा यह कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 63 गोनी प्रतिबंधित सुगंधित स्वादिष्ट तंबाकू सुपारी गुटखा पान मसाला जब्त किया, जब्त किए गए माल की कुल कीमत बाजार में 7,76,750 रुपए बताई जा रही है

लोगों को राहत देने के लिए केंद्र को भी ईंधन पर टैक्स कम करना चाहिएः अजित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि के मद्देजनर राज्यों द्वारा टैक्स कम किये जाने की मांग के बीच बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र को भी लोगों को राहत देने के लिये टैक्स में कमी करनी चाहिये। पवार ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र के कर राज्यों से ज्यादा हैं। राज्य के वित्त मंत्री पवार से पूछा गया था कि क्या महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार कुछ अन्य राज्यों की तरह ईंधन पर टैक्स कम करने के बारे में विचार कर रही है, जिसपर उन्होंने यह जवाब दिया। उन्होंने कहा, हमें राज्य चलाना है। हम कोई नया कर नहीं लगाना चाहते... बल्कि, हमने गैस (सीएनजी और पीएनजी) पर 1,000 करोड़ रुपये का कर घटाया है। हमने एक तरह से महिलाओं, हल्के मोटर वाहन और ऑटो रिक्शा चालकों की मदद की। उन्होंने कहा, अब, कुछ लोग कह रहे हैं कि राज्य को पेट्रोल और डीजल पर भी कर कम करना चाहिए। तब तो केंद्र को भी कर कम करना चाहिए। केंद्र का कर हमारे द्वारा लगाए गए कर से अधिक है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

काशीमीरा में लेडीज ऑर्केस्ट्रा बार पर छापा

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक-संजय हजारे के निर्देश पर एपीआई-प्रशांत गंगुरडे के नेतृत्व में एक टीम ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए काशीमीरा के पेनकरपाड़ा इलाके में होटल कशिश पर रात करीब 11 बजे छापा मारा। लाइव ऑर्केस्ट्रा प्रदर्शन की आड़ में घटिया डांस शो में शामिल होने के आरोप में पुलिस टीम ने ऑपरेटर, संगीतकार, कैशियर, वेटर, बार-गर्ल और 30 संरक्षक सहित 41 लोगों को गिरफ्तार किया। सभी पर आईपीसी की धारा 294 (अश्लील हरकतें और गाने) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, हमेशा की तरह, प्रतिष्ठान के मालिक और स्लीपिंग पार्टनर, जो अवैध व्यापार के वास्तविक लाभार्थी हैं, पुलिस के जाल से बचने में कामयाब रहे और अंतिम रिपोर्ट आने तक मायावी बने रहे। मालिकों और सोने वाले भागीदारों को प्राथमिकी में आरोपी के रूप में नामित किया गया है। उन्हें जल्द ही आयोजित किया जाएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दावा किया। रुपये से अधिक की नकद राशि। छापेमारी के दौरान 22 हजार रुपये जब्त किए गए। आगे की जांच चल रही थी। काशीमीरा का हाईवे बेल्ट अपने आवास के पानी के छेद और डेंस के टैग को बरकरार रखता है, जिन्होंने अपनी अनैतिक और अश्लील गतिविधियों के लिए कुख्याति अर्जित की है।

मध्यप्रदेश पुलिस ने पत्रकारों को थाने में बुलाकर किया निर्वस्त्र!

इससे नाराज होकर विधायक ने कनिष्क और उनके साथियों के खिलाफ एफआईआर की थी। दूसरी ओर वायरल तस्वीर को कोतवाली पुलिस द्वारा रंगकर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता नीरज कूदैर की गिरफ्तारी को लेकर विरोध किये गए विरोध प्रदर्शन से भी जोड़ा जा रहा है। नीरज कूदैर पर कथित फर्जी फेसबुक अकाउंट चलाने का आरोप है। इस अकाउंट की शिकायत भी सीधी विधायक और उनके पुत्र ने पुलिस से की थी। फर्जी अकाउंट के आईपी एड्रेस के तार नीरज तक पहुंचे तब पुलिस ने उन्हें 2 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। कहा जा रहा है कि वायरल तस्वीर नीरज कूदैर की गिरफ्तारी के विरोध किये जाने पर डिजिटल पत्रकार और रंगकर्मियों के साथ पुलिस द्वारा की गई बदसलूकी की है। कुल मिलाकर पुलिस के शर्मनाक व्यवहार पर सोशल मीडिया में मीडिया में आक्रोश और नाराजगी दिखाई दे रही है और इस पुलिस के शर्मनाक व्यवहार के पीछे भाजपा विधायक की शिकायत को माना जा रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भी निशाने पर लिया जा रहा है। कनिष्क ने मुताबिक पुलिस ने उन्हें और उनके साथियों को 18 घंटे थाने में रखा। थाने में बस कपड़े ही नहीं उतरवाये गए बल्कि परिसर में जुलूस भी निकाला गया। थाने से तस्वीरें विधायक और उनके बेटे को भी भेजी गईं। कनिष्क फ्रीलान्स पत्रकार हैं और बघेली में अपने यूट्यूब चैनल पर खबरें चलाते हैं। उनके चैनल के सवा लाख सब्सक्राइबर हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि ये लोग फर्जी आईडी से पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग करते हैं।

कांग्रेस ने मूल्यवृद्धि के मुद्दे पर मुंबई में विरोध मार्च निकाला

यह मार्च और बाद में मैदान में हुई रैली महंगाई के मुद्दे पर सप्ताह भर से चल रहे कांग्रेस के आंदोलन का समापन था। महाराष्ट्र के मंत्री बालासाहब थोराट, नितिन राउत तथा पार्टी नेताओं नसीम खान, चंद्रकांत हंडोरे एवं अन्य ने रैली में हिस्सा लिया। पटोले ने इस मौके पर केंद्र पर पेट्रोलियम उत्पादों एवं अन्य जरूरी वस्तुओं के नाम में लगातार वृद्धि कर लोगों के साथ 'लूट-पाट' करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक बयान में कहा, केंद्र की मोदी सरकार उत्पीड़क है और कांग्रेस इस उत्पीड़न के विरूद्ध लगतार लड़ रही है.... पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद्य तेल एवं अन्य जरूरी वस्तुओं के भाव आम लोगों के नियंत्रण के बाहर चले गये हैं। उन्होंने कहा, मूल्यवृद्धि रोकिए अन्यथा हम हम भाजपा की 'अलीबाबा चालीस चोर' सरकार का सत्ता में बने रहना दूभर कर देंगे। कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह प्रदर्शन महंगाई के मुद्दे पर मोदी सरकार के लिए 'एक चेतावनी' है।

दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह हुआ संपन्न

आदर्श सेवा समिति द्वारा संचालित आदर्श नाइट हाई स्कूल वर्ली कोलीवाडा के दसवीं के विद्यार्थियों का विदाई समारोह कल संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती माता की प्रतिमा और समाज सुधार शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर पुष्पहार आर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ की गई, कार्यक्रम की सूत्रसंचालन श्रीमती म्हात्रे मैडम व अध्यक्षता मुख्याध्यापक तानाजी खराडी खराडे ने किया। विद्यार्थियों द्वारा गीत संगीत भी प्रस्तुत किया गया। उक्त समारोह में मुख्य अतिथि संस्था के सचिव नितिन सालवी व विशेष अतिथि समाजसेवी शिक्षक बाल गोविंद तिवारी उपस्थित रहे। विद्यालय के मुख्याध्यापक खराडी सर ने मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि का सत्कार शाल और श्रीफल देकर किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दसवीं कक्षा की छात्र, शिक्षिका श्रीमती भानप मैडम, शिक्षक राठोड़ सर, तथा मासूम संस्था के पदाधिकारियों ने योगदान दिया।

बिहार विधान परिषद सदस्य बने डॉ. तरुण कुमार चौधरी

समस्तीपुर में एनडीए की गठबंधन की जीत

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार विधान परिषद सदस्य चुनाव में डॉ0 तरुण कुमार ने मारी बाजी। एकतरफा मुकाबले में उन्होंने राजद प्रत्याशी रोमा भारती को 1521 मतो से पराजित कर दिया। तरुण कुमार की यह पहली जीत है। वह पहली बार एमएलसी बनेंगे। इससे पहले उनके पिता हरि नारायण चौधरी बीजेपी से समस्तीपुर से एमएलसी थे। पिता के निधन के बाद तरूण को बीजेपी ने अपना उम्मीदवार बनाया था। इससे पहले वह कांग्रेस के सक्रिय नेता थे। लेकिन एमएलसी चुनाव को देखते हुए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ले ली, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें अपना एमएलसी उम्मीदवार बनाया। डॉ0 तरूण कुमार को 3338 वोट मिले हैं वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी रोमा भारती को 1817 मत मिले हैं। इसी तरह कांग्रेस उम्मीदवार अविनाश कुमार को 82, विकास शील इंसान पार्टी के

उम्मीदवार आदर्श कुमार को 43 मत मिले। इसी तरह निर्दलीय उम्मीदवार केशव कुमार सिंह को मात्र 6 मत प्राप्त हुए, जितेंद्र चौधरी को मात्र 8 मत मिले, देव नारायण सिंह को 41 तथा पवन कुमार पासवान को मात्र 11 प्राप्त हुए। मतगणना में कुल 166 मत रद्द पाये गये। बतादें की रोमा भारती एवं तरुण कुमार को छोड़कर बाकी छः उम्मीदवारों ने अपना जमानत भी नहीं बचा सके। इस प्रकार भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार तरुण कुमार ने राजद के उम्मीदवार रोमा भारती को 1521 मतो से पराजित कर दिया। ज्ञात हो कि गत 4 अप्रैल को हुए मतदान में 98 फीसदी मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया था। जिसकी गिनती गुरुवार को समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर में सम्पन्न हुई। मतगणना केंद्र के बाहर राजग गठबंधन के कार्यकताओं ने आतिशबाजी एवं अबीर, गुलाल लगाकर जस्न मनाना शुरू कर दिया। इधर डॉ तरुण कुमार चौधरी को बिहार विधान परिषद सदस्य बनने पर राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर, गृह मंत्री नित्यानंद राय, प्रो0 शाहिद अहमद, सुशील कुमार चौधरी, राम सुमिरन सिंह, यूपेंद्र कुशवाहा, जितेंद्र कुमार, अश्वमेघ देवी, डॉक्टर दुर्गेश राय, तकि अख्तर, अमित कुमार मुन्ना, प्रदीप कुमार शिवे, मनोज कुमार जायसवाल, तारिक रहमान बॉबी, शारिक रहमान लवली, अनस रिजवान, अफजाल अहमद उजाले, संतोष कुमार साह, शिव शंकर महतो आदि ने बधाई दी है।

भारत में भी श्रीलंका जैसे हालात?: भारी कर्ज में डूबे राज्य, क्या मुफ्त की योजनाओं पर प्रतिबंध लगाना होगा सही?

वित्त वर्ष 2020-21 में किस राज्य पर औसतन कितना कर्ज (सकल घरेलू उत्पाद का %)

पंजाब	53.3 फीसदी
राजस्थान	39.8 फीसदी
पश्चिम बंगाल	38.8 फीसदी
केरल	38.3 फीसदी
आंध्र प्रदेश	37.6 फीसदी
महाराष्ट्र	20 फीसदी

क्या कहती है रिजर्व बैंक की रिपोर्ट

- 2014-15 से 2018-19 के बीच पंजाब ने पांच फीसदी के पैसा आर्थिक संसाधन बनाने में किया खर्च, 45 फीसदी पैसा आवश्यक देनदारियों पर खर्च।
- आंध्र प्रदेश ने केवल 10 फीसदी धन आर्थिक संसाधन पैदा करने वाले मदों में लगाया, 25 फीसदी पैसा आवश्यक

नई दिल्ली। राज्यों की तरह केंद्र सरकार भी कर्ज के जाल में लगातार उलझती जा रही है। देश को आर्थिक बदहाली से बचाने के लिए आर्थिक विशेषज्ञ कृषि और स्वास्थ्य जैसे मदों में सब्सिडी धीरे-धीरे कम करने और मुफ्त की योजनाओं पर प्रतिबंध लगाने की सलाह दे रहे हैं। लेकिन क्या भारत जैसे देश में गरीबों को मिल रही योजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना सही निर्णय होगा? आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ डॉ. नागेंद्र कुमार शर्मा ने अमर उजाला से कहा कि कर्ज लेना केवल तभी लाभप्रद होता है, जब कर्ज ली गई राशि का उपयोग आर्थिक संसाधन पैदा करने में लगाया जाए। लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि ज्यादातर राज्य अपने बजट का बड़ा हिस्सा पिछली देनदारियों को चुकाने और कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने में लगा रहे हैं। इससे उन्हें लोकप्रियता तो प्राप्त होती है, लेकिन उससे राज्यों के लिए कोई आय प्राप्त नहीं होती। इस तरह ये कर्ज लगातार राज्यों के लिए बोझ बनते जा रहे हैं। रिजर्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2014-15 से 2018-19 के बीच पंजाब ने केवल पांच फीसदी रकम आर्थिक संसाधन बनाने में खर्च की, जबकि इसी दौरान उसने लगभग 45 फीसदी रकम को आवश्यक देनदारियों पर खर्च किया। आंध्र प्रदेश ने केवल 10 प्रतिशत के करीब पैसा आर्थिक संसाधन पैदा करने वाले मदों में लगाया, जबकि इसी दौरान उसने लगभग 25 फीसदी पैसा आवश्यक देनदारियों पर खर्च किया। अन्य राज्यों में भी इसी प्रकार आर्थिक संसाधन पैदा करने पर कम, जबकि देनदारियों और कल्याणकारी योजनाओं पर भारी खर्च किया गया। खर्च करने के इस तरीके को आर्थिक दृष्टि से सही नहीं कहा जा सकता।

राज्यों पर कितना कर्ज

वित्त वर्ष 2020-21 में देश के विभिन्न राज्यों का औसतन कर्ज उनके सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक तिहाई यानी लगभग 31.3 फीसदी तक के ऊंचे स्तर पर पहुंच चुका है। सबसे खराब स्थिति पंजाब की है जिसका कर्ज उसके जीएसडीपी (ग्रास स्टेट डोमेस्टिक प्रॉडक्ट) का रिकॉर्ड 53.3 फीसदी तक पहुंच चुका है। दूसरे सबसे खराब हालत में राजस्थान है, जिसका कर्ज उसके जीएसडीपी का 39.8 फीसदी हो चुका है। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल का कर्ज 38.8 फीसदी, केरल का 38.3 फीसदी, गुजरात 23 फीसदी, महाराष्ट्र 20 फीसदी और आंध्र प्रदेश का कर्ज उसके जीएसडीपी का 37.6 फीसदी हो चुका है।

कल्याणकारी राज्य का कर्तव्य

वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और आर्थिक मामलों के जानकार गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि भारत एक कल्याणकारी राज्य है। इसकी मूल संकल्पना में गरीब नागरिकों का हित करना शामिल है।

पी आई सी यू वार्ड मे भर्ती 6 वर्षीय बालिका को दिया नया जीवन दान

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाय एस एस बल्ड ग्रुप के अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया की जोधपुर के उम्मेद हास्पिटल मे पी आई सी यू वार्ड मे भर्ती 6 वर्षीय ज्योति नाम की एक मरीज जिसे एक ऐसी बिमारी ने घेर रखा हे जिसमे उसके शरीर में प्लेटलेटस नही बनते आज भी इस बच्ची की प्लेटलेटस जीरो पर आ गई थी जिसे वाय एस एस बल्ड ग्रुप के अध्यक्ष नदीम बक्ष ने इस पर तुरंत प्रभाव देते हुए आपातकालीन स्थिति मे उम्मेद हास्पिटल के ही बल्ड बैंक मे कार्यरत डॉ अनिल पालीवाल ने खुद अपना एस डी पी ब्लड रक्तदान करके 6 वर्षीय बच्ची को नया जीवन दान दिया जिससे बाद मरीज के परिवार के लोगो ने राहत की सांस महसूस की। इस मोके पर डॉ अंजू चौधरी, दुर्गा राम बेनिबाल, ताज मोहम्मद, मनीष जी जोशी, जितेंद्र सागर, विक्रम परिहार, नदीम बक्ष व निशांत सिंह वहा मौजूद रहे।

बीरभूम नरसंहार मामले में सीबीआई को बड़ी सफलता

मुंबई से चार लोगों को दबोचा

मुंबई। पश्चिम बंगाल में घटित बीरभूम नरसंहार मामले में सीबीआई लगातार एक्शन में हैं। सीबीआई ने अब रामपुरहाट मामले में मुंबई से 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसके बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए मुंबई की अदालत में पेश किया गया। जानकारी में सामने आया है कि, अब गिरफ्तार इन लोगों का लाई डिटेक्टिंग टेस्ट होगा।

मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए लगाया पता

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल में घटी उस घटना के बाद ये मुंबई भाग निकले थे। जिसके बाद सीबीआई ने बप्पा एसके और शब्बू एसके समेत चार लोगों को मुंबई से दबोच लिया है। सीबीआई ने इन लोगों का पता मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए लगाया और इनका पीछा करते हुए इन्हें गिरफ्तार किया गया।

8 लोगों को जला दिया था जिंदा

गौरतलब हैं कि, पश्चिम बंगाल में टीएमसी नेता भादु शेख की हत्या के कुछ घंटे बाद 21 मार्च को बीरभूम जिले के रामपुरहाट थाना क्षेत्र के बोगतुई गांव से 8 लोगों के जले हुए शव बरामद हुए थे। जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। जिसके बाद कोर्ट के आदेश पर इस घटना की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को बीरभूम हिंसा में प्रभावित हुए 10 लोगों को सरकारी नौकरी दी है।

बीकानेर नगर विकास न्यास के अध्यक्ष पद के लिए मुस्लिम समाज को ही एक नाम देने के पीछे क्या है सियासत

मुस्लिम समाज में रोष? वक्त आने पर दिया जायेगा करारा जवाब: एन डी कादरी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय सचिव एन डी कादरी के अनुसार सन 1980 में बीकानेर शहर से बी डी कल्ला जी ने पहली मर्तबा कांग्रेस से टिकट की दावेदारी पेश की थी। उस समय पुष्करणा समाज से गोपाल जोशी, गोकुल प्रसाद पुरोहित, उमेश आचार्य भी टिकट की दौड़ में थे। बीकानेर के मोहम्मद उस्मान आरिफ साहब टिकट देने वालों में शामिल थे। बहुतायत के पुष्करणा समाज के लोग गोपाल जोशी और गोकुल प्रसाद पुरोहित के साथ थे। जबकि कल्ला जी से पूछा गया था कि आपके गारंटर कौन है। कल्ला जी का कहना था मुझे यहां कोई नहीं जानता सिवाय मोहम्मद उस्मान आरिफ साहब के और मेरे गारंटर आरीफ साहब है। इस बात की पुष्टि कल्ला साहब ने स्वयं जिला कांग्रेस कार्यालय में एक कार्यक्रम के दौरान संबोधन में भी की है। टिकट कल्ला जी को दी गई। किसी ने यह नहीं कहा कि पुष्करणा समाज से एक नाम दिया जायेगा। तभी कांग्रेस से कल्ला जी को टिकट दी जाएगी। हाल ही में केस कला बोर्ड, माटी कला बोर्ड, भूदान बोर्ड, अम्बेडकर नाम की संस्था, किसान आयोग आदि पचासों पदों पर राजस्थान सरकार ने राजनैतिक नियुक्तियों की है। क्या किसी को भी ऐसा कहा गया कि

समाज से एक नाम दिया जाए। पूगल में गौरव चौहान को प्रधान बनाया गया, डूंगरगढ़ में मंगला राम की पुत्रवधू को प्रधान बनाया गया! क्या उनके समाज ने उनके नाम एक होकर तय किए। बीकानेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष के लिऐ कल्ला साहब ने अपने भतीजे अनिल कल्ला का नाम दिया और पूरा प्रयास भी किया। क्या समूचे पुष्करणा समाज ने उनका नाम दिया था। यशपाल गहलोत को बीकानेर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया। क्या सम्पूर्ण माली समाज ने एक होकर इनका नाम दिया था। दिनांक दो अप्रैल को एक मीटिंग में मुस्लिम समाज से कांग्रेस नेता ने मंत्री जी के समझ कहा था कि हमें यूआईटी अध्यक्ष पद दिलवाने में सहयोग करें। जबाब में बीकानेर के विधायक एवं मंत्री डॉक्टर बी डी कल्ला जी ने मुसलमानों से स्पष्ट कहा कि सब मुसलमान एक होकर यूआईटी अध्यक्ष के लिए एक नाम पर सहमति दे दे। तो उस पर विचार किया जा सकता है। और उसकी पैरवी की जा सकती है। 'ना नौ मन तेल होगा,ना राधा नाचेंगी।' लेकिन यह सच है कि बीकानेर जिले के सभी मुसलमानों ने एक होकर सभी सातों जगह कांग्रेस को वोट दिया। बीकानेर शहर से बी डी कल्ला, कोलायत से भंवर सिंह भाटी, खाजूवाला से गोविंद राम मेघवाल को विधायक अवश्य बना दिया, और फिर ये तीनों मंत्री भी बन गए हैं। कोरोना कॉल के समय दो साल पहले क्या बीकानेर के मुसलमान एक होकर आए थे कि केवल उनके क्षेत्र में कर्फ्यू लगा दिया जाए? बीकानेर के मुसलमान इस राजनीति को देख रहे हैं। और भली भांति समझ भी रहे हैं। राजस्थान में आप पार्टी की सहित अन्य के आहट का अंदाजा भी लगाया जा रहा है। कहते हैं कि आप पार्टी भाजपा की बी टीम है। क्या कांग्रेस में तो हमारे साथ न्याय किया जा रहा है।सब याद रखा जाएगा! सही वक्त आने पर करारा जवाब भी दिया जाएगा।

22 अप्रैल तक काम पर लौटने वाले एमएसआरटीसी कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी: परब

मुंबई। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री अनिल परब ने बृहस्पतिवार को आश्वासन दिया कि एमएसआरटीसी के हड़ताली कर्मचारी यदि बंबई उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 22 अप्रैल की समयसीमा तक काम पर वापस लौट आते हैं, तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने नवंबर 2021 से हड़ताल पर चल रहे महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसटीआरसी) के कर्मचारियों के काम पर लौटने की समयसीमा को 22 अप्रैल तक बढ़ा दिया है। वे राज्य सरकार के कर्मचारियों का दर्जा देने की मांग और निगम के राज्य सरकार के साथ विलय का विरोध कर रहे हैं। निगम के अध्यक्ष परब ने समयसीमा समाप्त होने पर भी काम पर नहीं लौटने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। मंत्री ने कहा कि निगम ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह हड़ताल के दौरान कर्मचारियों के खिलाफ की गई सभी कार्रवाइयों को वापस ले लेगा। अतः 22 अप्रैल तक कार्यभार ग्रहण करने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी, किन्तु जिन कर्मियों के विरूद्ध पुलिस ने कार्रवाई की है, उन पर कार्रवाई जारी रहेगी।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

मदिना मुनव्वरा साउदी खजूर
होलसेल के दाम, डोर टु डोर डिलीवरी कुरीयर के जरीये
सभी दाम Per kg कुरीयर चार्ज अलग से
अजवा जम्बो ..... 1050 | अजवा स्मोल 585
अजवा (अे) रेग्युलर ..... 780 | कलमी रेग्युलर 495
zam zam water 5 Ltr. is available
मिनीमम ओर्डर 1kg
5 kg पर 1 kg फ्री
DELUXE
ऑर्डर करने के लिए संपर्क करें : 9619102478

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर के रसवल में कालेज के पास शव दाह गृह बना, प्रशासन कर रहा छात्रों के भविष्य से खिलवाड़

न अधिकारी सुन रहे और न ही यूपी के सीएम

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के रसवल रावत स्थित पंडित दीनानाथ राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के निकट शव दाह गृह यानी मरघट बनवाने के खिलाफ छात्रों के अभिभावकों और ग्रामीणों में जबरदस्त रोष व्याप्त है। उन्होंने जिलाधिकारी से कॉलेज के निकट शव दाह गृह नहीं बनवाए जाने की मांग की है। उनके मुताबिक ऐसा करने से लाशें जलाए जाने के फलस्वरूप ना केवल घातक प्रदूषण होगा बल्कि कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों पर प्रतिकूल असर भी पड़ेगा। दी गई जानकारी के मुताबिक यह शवदाह गृह प्रशासन द्वारा स्कूल के इतने निकट बनवाया जा रहा है कि अगर वहां मानव लाशें जलाई जाएगी तो उससे होने वाला प्रदूषण बच्चों और आसपास गांवों में लोगों के लिए भी बहुत घातक साबित होगा। यही नहीं शव जलाए जाने का यह स्थान बच्चों में भूत प्रेत होने जैसा मानसिक भय भी पैदा कर सकता है, जो कि उनके शिक्षा के मार्ग में भी बाधक क बन सकता है। जबकि हाई कोर्ट की गाइडलाइन के मुताबिक बच्चों के पढ़ने वाले स्थान यानी स्कूल के पास शवदाह गृह जैसा कुछ भी नहीं बनाया जा सकता और अगर वहां पहले से बना भी है तो वहां से हटाया जा सकता है, लेकिन जिला कानपुर देहात का

प्रशासन है कि उसे स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों और उनके अभिभावकों की इस मानसिक रूप से भी घातक परेशानी से कोई मतलब नहीं है। खास बात यह भी कि ऐसा कोई अधिकारी नहीं है, जिससे इस बारे में छात्रों के ग्रामीण अभिभावकों द्वारा इसकी लिखित शिकायत न की गई हो। यहां तक कि इस बारे में सबसे पुराने वरिष्ठ शिक्षक विधायक और प्रश्न एवं संदर्भ समिति के सभापति राजबहादुर सिंह चंदेल भी जिलाधिकारी को पत्र लिख चुके हैं ,लेकिन जिला कानपुर देहात के प्रशासन पर इस पत्र का भी कोई असर नहीं पड़ा। मतलब लगभग 500 छात्रों की संख्या वाले पंडित दीनानाथ राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के निकट शव दाह गृह के निर्माण का कार्य लगातार जारी है` जिसको लेकर वहां के ग्रामीणों में जबरदस्त रोष भी व्याप्त है। उन्होंने कालेज के निकट शवदाह गृह का निर्माण नहीं कराए जाने की गुहार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी लगाई है। लेकिन अबतक पीड़ितों की ना तो अधिकारियों ने सुनी है और ना ही यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ ने। कॉलेज के मुखिया समाजसेवी कमल शर्मा और प्रधानाचार्य शशिकांत त्रिपाठी के मुताबिक पंडित दीनानाथ राष्ट्रीय इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों के भविष्य को दृष्टिगत रखते हुए उसके नजदीक सौदा गृह का निर्माण किसी भी हालत में नहीं किया जाना चाहिए लेकिन ग्राम प्रधान और लेखपाल अंत्येष्टि मतलब मरघट के लिए उचित स्थान का चयन करने के बजाए कालेज के निकट ही बनवाने पर अड़े हुए हैं। जबकि लाशें जलाए जाने के फलस्वरूप शैक्षिक वातावरण के खिलाफ जिसका बहुत प्रतिकूल असर पंडित दीनानाथ राष्ट्रीय इंटर कॉलेज के छात्रों पर पड़ेगा।

ब्लॉक प्रमुख डॉ सुगंधा सिंह ने धूमधाम से मनाया भारतीय जनता पार्टी का 42 वां स्थापना दिवस

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर सुभाष रोड स्थित उत्तर प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार माननीय श्रीमती गुलाब देवी के आवास पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ युवा नेत्री एवं बनियाखेड़ा ब्लॉक प्रमुख माननीय डॉ सुगंधा सिंह ने कहा भारतीय जनता पार्टी देश की ही नही बल्कि विश्व में सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में जानी जाती है इसमे आम कार्यकर्ता को देवतुल्य कहा जाता है। इसमे कोई भी कार्यकर्ता संगठन के उच्च पद तक जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार की सरकार ही सभी वर्गों की हितेषी सरकार है बिना भेद भाव के सभी वर्गों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं जनता शान्ति के साथ जीवन यापन कर रही है। भाजपा नेता विनोद कुमार बिन्नी ने कहा भाजपा की स्थापना 1980 में हुई जिसको 1984 के आम चुनाव में मात्र 2 सांसद थे। आज कार्यकर्ताओं के त्याग समर्पण के बल पर माननीय नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 एवं 2019 के लोक सभा चुनाव में केंद्र में पूर्ण बहुमत से भाजपा ने सरकार बनाई। यूपी विधासभा चुनावों में भी भाजपा ने दोबारा सरकार बनाई कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व नगर अध्यक्ष डॉ राजीव लोचन शर्मा ने संचालन नगर महामंत्री मनोज दिवाकर ने किया।कार्यक्रम में युवा नेता चंद्रसेन दिवाकर उर्फ.छोटू भैया, शीनू गुप्ता,नीलम अरोड़ा,मोक्षिका शर्मा, शालिनी गुप्ता, प्रीति गुप्ता, विनोद शर्मा, राजकुमार यादव, शरद शर्मा, डॉ० टीएस पाल, अंकित जैन,अरविन्द गुप्ता, राजकुमार ठाकरे, महावीर सिंह, मनोज सैनी, सभासद तरुण नीरज, देवेन्द्र मोनू, धारा सिंह, शुभम अग्रवाल, डॉ विनय वार्ष्णेय, आमोद वार्ष्णेय, संजय बंसल, शुभम राघव, आकाश आहूजा, ऋषभ रस्तोगी, सुधीर मल्होत्रा, अनुराग सिंह, प्रेमपाल सिंह, संजय पारिख, अमन कोली, मुदित गर्ग, यश मदान, अभिनव शर्मा, अंकुल ठाकुर, अनुभव श्रीवास्तव, दिग्विजय गोल्डी, नरेन्द्र आचार्य, विष्णु शर्मा गिरिराज गुप्ता, ओम शर्मा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुन्नौर तहसील के नगर पंचायत बबराला मे हटवाया एसडीएम ने अवैध कब्जा

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। यूपी में बुलडोजर बाबा के नाम से मशहूर हो चुके सीएम योगी आदित्यनाथ को दोबारा कुर्सी पर बैठते ही बुलडोजर का असर दिखना शुरू हो गया है प्रशासन अपराधियों और जमीन पर अवैध कब्जों बालों पर सीधा प्रहार कर रहा है जिसका असर बुधवार को संभल जिले की गुन्नौर तहसील के कस्बा बबराला में देखने को मिला जहां एसडीएम और तहसीलदार ने मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंचकर नॉन जेडए जमीन को जेसीबी चलवा

कर बाउंड्री को तुडवाना शुरू कर दिया वही एसडीएम रामकेश धामा ने बताया कि नॉन जेडए जमीन को लेकर लगभग 1 महीने पहले अवैध कब्जा वालों को सूचित कर दिया गया था अब इनकी बाउंड्रीयो को तुड़वाया जा रहा है वही इनमें दो तीन और मकान नॉन जेडए के तहत आते हैं उनको नोटिस जारी कर उनको तुड़वाने का भी काम किया जाएगा वही लोगों की हमदर्दी जताने आए बीजेपी युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संभल सिखर गोयल ने राजस्व विभाग पर अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए कहा प्लॉटिंग के नाम पर राजस्व विभाग अवैध वसूली कर रहा है जो गरीब तबके के लोग हैं उनके खिलाफ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा वहीं बीजेपी नेता के साथ आए लोगों में रोष दिखाई दिया उनका कहना है कि बड़े-बड़े लोगों को बचाया जा रहा है गरीबों के प्लॉटों पर बुलडोजर चलाई जा रही है ऐसा नाइंसाफी है।

कानपुर में चौकी इंचार्ज ने फेल की लूट का फर्जी मुकदमा लिखाने की साजिश

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां पनकी थाना क्षेत्र में उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत चरितार्थ हुई जिसका संबंध दबंग द्वारा एक युवक का सिर फाड़ देने और उसी के खिलाफ लूट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की पुलिस द्वारा विफल की गई कोशिश से है। यही नहीं अपराधी किस्म के दबंग बताए जाने वाले सुरेंद्र यादव द्वारा लूट का फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाला इरादा पूरा नहीं हुआ तो उसने इंडस्ट्रियल एरिया चौकी प्रभारी सतीश यादव पर फर्जी आरोपों की झड़ी लगा दी। लेकिन अपना कार्य पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता से ही करने के लिए चर्चित चौकी प्रभारी सतीश यादव अपने कर्तव्य पथ से फिर भी नहीं डिगे और वही किया जो कानूनी दृष्टिकोण से उचित था। इस घटना के बारे में जो विवरण प्रकाश में आया है, उसके मुताबिक थाना पनकी चौकी क्षेत्र इंडस्ट्री एरिया मौरंग मंडी के सामने मूनलाइट हवा के पास पनकी पड़ाव की तरफ से लोडर को उसका चालक अनुज तिवारी निवासी ग्राम पनका बहादुर नगर थाना पनकी चलाकर लेकर आ रहा था ,तभी सामने से वैगनआर सवार सुरेंद्र यादव तथा उसके मित्र विशाल गुप्ता, ऋषभ वर्मा तथा मूनलाइट ढाबा का संचालक अवधेश कुमार ने अपनी गाड़ी को अचानक बिना इंडिकेटर दिए ढाबे की तरफ मोड़ दिया, जिससे लोडर व वैगनआर गाड़ी में एक्सीडेंट होने से बाल-बाल बच गए। वैगनआर सवार सुरेंद्र यादव तथा उसके साथी ने गाड़ी से नीचे उतर कर लोडर सवार अनुज तिवारी के साथ गाली-गलौज करते हुए उसकी मारपीट की और उसका सिर फाड़ दिया, जिससे उसके सिर में कई टांके आए।जानकारी के मुताबिक इसके पश्चात जब लोडर चालक के परिवारी जन को इसकी जानकारी हुई वह लोग भी मूनलाइट ढाबा के पास आए और सुरेंद्र यादव तथा ढाबा संचालक उनके साथ अन्य साथियों के साथ विवाद गाली गलौज हुआ। फिलहाल दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है लेकिन कई थानों के लोकप्रिय सफल प्रभारी रह चुके इंडस्ट्रियल एरिया चौकी प्रभारी सतीश यादव द्वारा पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ की गई गहन जांच पड़ताल के फलस्वरुप दबंग सुरेन्द्र यादव लूट का फर्जी मुकदमा लिखाने की कोशिश विफल हो गई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेहत की छोटी-बड़ी प्रॉब्लम का हल है धनिए के बीज, लेकिन ये महिलाएं ना करें सेवन

धनिया या धनिए के बीजों का इस्तेमाल भारतीय रसोई में आम किया जाता है। यह सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसमें एंटी-बैक्टीरियल, विटामिन और मिनरल जैसे तत्व भी पाए जाते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं हालांकि कुछ लोगों के लिए इनका सेवन नुकसान हो सकता है तो चलिए जानते हैं कि इन छोटे छोटे बीजों के फायदे और नुकसान।

धनिया के बीज के फायदे

- गैस-एसिडिटी

खान-पान की गलत आदतों के चलते बहुत से लोगों गैस एसिडिटी से परेशान रहते हैं ऐसे लोगों के लिए धनिए के बीज फायदेमंद हैं। बस रात भर 1 गिलास पानी में आधा चम्मच बीज भिगोकर रख दें और सुबह इस पानी का सेवन कर लें।

वजन घटाने में फायदेमंद - 1 गिलास पानी में धनिए के बीजों को 2-3 घंटे भिगोकर रख दें फिर इस पानी को उबालें जबतक पानी आधा न रह जा। इस पानी का सेवन दिन में 2 बार करें। इससे आपको भूख कम लगेगी, वजन कम होगा और इम्यून सिस्टम भी स्ट्रांग होगा।

खून की कमी करें दूर - धनिए के बीज में पर्याप्त मात्रा में आयरन होता है जो कि खून में हिमोग्लोबिन की मात्रा को बढ़ाता है। यहीं कारण है कि धनिए के बीज का सेवन करने से खून की कमी दूर होती है।

थायरॉइड मरीजों के लिए बढ़िया - लगभग 2 चम्मच साबुत धनिया या धनिया के बीज को रात को लगभग एक गिलास पानी में भिगो दें। सुबह इस धनिया को पानी समेत पांच मिनिट के लिए उबालें और फिर छानकर यह पानी गुनगुना पी जाए। अगर आप थायरॉइड कंट्रोल करने के लिए दवा ले रहे हैं तो सबसे पहले खाली पेट अपनी दवा लें और फिर 30 मिनिट बाद यह पानी पिएं और इसके 30 से 45 मिन्ट बाद आप नाश्ता करें। अगर आप चाहें तो इसे दिन में दो बार खाली पेट भी ले सकती हैं। यह थायरॉइड को कंट्रोल करने में बहुत लाभकारी है। लगभग 30 से 45 दिनों तक नियमित सेवन करने के बाद अपना थायरॉइड लेवल फिर से चैक कराएं।

आंखों के लिए गुणकारी - थोड़ा-सा धनिया कूट कर पानी में उबाल कर ठंडा कर लें फिर इस मिश्रण को छानकर इसका पानी अलग कर लें और शीशी में भर लें। इसी अर्क की दो बूंद आंखों में डालें। आंखों में जलन, दर्द तथा पानी गिरना जैसी समस्याएं दूर होती हैं। लेकिन याद रखें आंखों से जुड़ी कोई सर्जरी हुई है तो इसका इस्तेमाल ना करें।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद - पाचन तंत्र में धनिए के बीज बेहद लाभकारी हैं। 1-2 चमच्च धनिया को कोकोनट मिल्क, खीरा और तरबूज जैसी ठण्डी तासीर वाली चीजों के साथ मिलाकर एक स्मूदी तैयार कर लें। इसका सेवन करने से आपका पाचन तंत्र स्ट्रांग होगा। खाया-पीया हजम होगा। अगर पेट में सूजन है तो वो भी ठीक हो जाएगी।

गठिए से मिलने वाले फायदे - 1/2 चम्मच धनिए बीज के पाउडर में शीया बटर या कोकोनट बटर में मिलाकर एक बाम तैयार कर लें। अब इस बाम में 4-5 बूंदें कोकोनट तेल की डालकर इससे हड्डियों के जोड़ो पर मसाज करें। चाहें तो आप टी-ट्री जैसे सूजन कम करने वाले तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन एलर्जी में लाभदायक - धनिए का सेवन करने से आंखों की और हाथों पैरों की जलन से छुटकारा मिलता है। धनिए के पत्तों को शहद के साथ मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें और इसे शरीर पर होने वाली खजली वाली जगह पर लगाएं। 1-2 दिन तक फरक दिखने लग जाएगा। फरक न लगने पर डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

मुंह के छालों से आराम - पेट की समस्या के कारण मुंह में छाले होना भी एक आम समस्या है। कई बार यह समस्या इतनी भयंकर हो जाती है हम इसके कारण खाना भी नहीं खा पाते हैं। ऐसे में इस समस्या से निपटने के लिए सूखा धनिया प्रयोग कीजिए। इसके लिए1 चम्मच पिसा धनिया, 250 मिलिलीटर पानी में मसलकर छान लीजिए। इस पानी से दिन में 2-3 बार कुल्ला करें, छाले की समस्या समाप्त हो जायेगी

डायबिटीज मरीजों के लिए बेस्ट - धनिया डायबिटीज प्रबंधन के लिए सबसे भरोसेमंद पारंपरिक उपचारों में से एक रहा है। द ब्रितानी जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, यह पाया गया कि धनिए के बीज में कुछ यौगिक होते हैं जो ब्लड में आने पर एंटी-हाइपरग्लाइकेमिक, इंसुलिन डिस्चार्जिंग और इंसुलिन का उत्पादन करते हैं। जिससे आपके ब्लड ग्लूकोज के लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

प्रेग्नेंसी में जी मचलाना या मतली - गर्भ धारण करने के दो-तीन महीने तक गर्भवती महिला को उल्टियां आती है। ऐसे में धनिया का काढ़ा बना कर एक कप काढ़े में एक चम्मच पिसी मिश्री मिला कर पीने से जी घबराना बंद होता है।

हालांकि धनिए के बीज के फायदे ही फायदे हैं लेकिन कुछ नुकसानों को नजरअंदाज ना करें।

ज्यादा धनिया खाना मां बनने वाली महिलाओं के लिए नुकसानदायक है । बहुत ज्यादा धनिया खाने से शरीर की ग्रंथिया प्रभावित हो जाती है। इसलिए मां बनने वाली महिलाओं और शिशु को दूध पिलाने वाली माताओं को धनिए का अत्यधिक सेवन नहीं करना चाहिए। इसके साथ साथ जरुरत से ज्यादा धनिया खाने से पित्त पर दबाव पड़ता है जिससे लिवर की परेशानी पैदा हो सकती है। इसलिए जरुरत से ज्यादा धनिया ना खाएं।

गर्मियों में भी स्किन रहेगी हाइड्रेट और फ्रेश

गर्मियों का मौसम अपने साथ सेहत और ब्यूटी से जुड़ी कई परेशानियां लेकर आता है। वहीं इस मौसम में कील, मुंहासे, फुंसियां, झाइयां, टैनिंग और रूखी बेजान त्वचा की समस्या आम देखने को मिलती है। दरअसल, प्रदूषण के साथ-साथ इस मौसम में चलने वाली गर्म हवाओं के कारण त्वचा अपनी नमी खो देती है और रूखी व बेजान हो जाती है। इसके चलते आपको कई सारी ब्यूटी प्रॉब्लम्स के सामना करना पड़ता है। ऐसे में आज हम आपको कुछ टिप्स देंगे, जिससे आप स्किन को हाइड्रेट व नमीयुक्त रखकर इन परेशानियों से बच सकती हैं।

गर्मियों में त्वचा हाइड्रेट रखने के टिप्स

पीएं 10-12 गिलास पानी - त्वचा की कोशिकाओं का लगभग 70% हिस्सा पानी से बना होता है और गर्मियों में पसीने की वजह से बॉडी का मॉइश्चराइजर बहुत तेजी से कम होता है। ऐसे में त्वचा को हाइड्रेट रखना जरूरी होता है। इसके लिए दिन में कम से कम 10-12 गिलास पानी पीएं। साथ ही डाइट में फल, सब्जियां, नारियल पानी और नींबू पानी शामिल करें। इससे स्किन हाइड्रेट और नमीयुक्त रहेगी।

मॉइस्चराइजिंग - सिर्फ सर्दियों में ही नहीं बल्कि स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए गर्मियों में भी मॉइस्चराइजर लगाना बहुत जरूरी है। ऐसे में सुबह नहाने के बाद और रात को सोने से पहले मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं। साथ ही दिन में 2 बार त्वचा को टोनिंग भी जरूर करें।

त्वचा को करे एक्सफोलिएट - इसके लिए दिन में 2 बार जेंटल फेशवॉश से चेहरा साफ करें। साथ ही हफ्ते में 2-3 बार होममेड स्क्रब से स्किन को एक्सफोलिएट करें। इससे ना सिर्फ डेड स्किन निकलेगी बल्कि यह स्किन को हाइड्रेट भी रखेगा।

सनस्क्रीन का यूज - घर से बाहर जाते समय स्नस्क्रीन लगाना ना भूलें। यह ना सिर्फ त्वचा को सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट (यूवी) किरणों से बचाएगा बल्कि इससे त्वचा में नमी भी बनी रहेगी।

कम मेकअप करें - ग्लोइंग स्किन के लिए जरूरी है कि आप मेकअप का कम से कम इस्तेमाल करें। इससे त्वचा खुलकर सांस ले पाती है, जिससे आप कई ब्यूटी प्रॉब्लम्स से बचे रहते हैं। इसके साथ ही रात को सोने से पहले मेकअप साफ करना ना भूलें।

विटामिन-सी युक्त डाइट - स्किन के लिए विटामिन-सी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए डाइट में संतरा, नींबू, आंवला, अंगूर, टमाटर आदि चीजों को शामिल करें। गर्मियों में इन चीजों का सेवन स्किन को स्वस्थ और हाइड्रेट रखता है।

ब्लोटिंग पेपर का करें यूज - गर्मियों में स्किन बहुत ज्यादा ऑयली हो जाती है, जिसके कारण आपको पिंपल्स और मुहांसों की समस्या हो जाती है। ऐसे में आप चेहरे से ऑयल को साफ करने के लिए ब्लोटिंग पेपर का यूज करें।

ठंडे पानी से स्नान - गर्मियों में ठंडे पानी से स्नान करें। इससे पसीना कम आएगा और चेहरे पर कील-मुहांसे भी नहीं होंगे।

घरेलू फेस मास्क - आप होममेड मास्क से भी स्किन को हाइड्रेट और ग्लोइंग बना सकते हैं। इसके लिए आप टमाटर और नींबू का रस मिलाकर लगाएं। इसके अलावा दूध शहद और ओट्स को मिक्स करके लगाने से भी त्वचा को नमी मिलते हैं और इससे स्किन ग्लोइंग भी होती है।

बटरमिल्क और हल्दी - बटरमिल्क और हल्दी को मिक्स करके चेहरे पर कुछ देर के लिए अप्लाई करें। इसके बाद पानी से चेहरे को धो लें। इससे गर्मियों के कारण हुए स्किन ब्लैकनेस, सनटैन और दाग-धब्बों की समस्या दूर हो जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

साउथ एक्टर राम चरण पर आया उर्फी का दिल

उर्फी जावेद जो इन दिनों सोशल मीडिया की सेंसेशन बन चुकी हैं। आए दिन उनके पिक्चर और उनके कपडे पहनने का तरीका सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। वही जब उर्फी ने साउथ के एक्टर्स की तारीफों के पुल बांधने स्टार्ट किए तो मीडिया ने उनसे उनका फेवरेट एक्टर का नाम पूछ डाला। जहां अपने फेवरेट एक्टर का नाम बताते हुए उर्फी जावेद ने आर आर आर के सुपरस्टार रामचरण का नाम लिया। वही साउथ एक्टर राम चरण की तारीफ करते हुए उर्फी जावेद ने कहा कि वो काफी हैंडसम हैं। और इस सवाल का जवाब देते हुए उर्फी जावेद काफी शर्माती और ब्लश करती हुई भी नजर आ रही थी। जैसे कि सब जानते हैं बीते कुछ दिनों से उर्फी जावेद अपने बयानों के चलते और अपनी कैटफाइट के चलते सुर्खियों में छाई हुई हैं। जहां पहले वह सुजैन खान की बहन फराह अली खान से भिड़ती नजर आईं तो वहीं कश्मीरा शाह के लिए भी उन्होंने कड़वे बोल बोले थे। वही अब इन तीनों के बीच चल रही कैट फाइट कुछ ऐसी रही की जब भी यह हसीनाएं मीडिया के सामने आती तो एक दूसरे के लिए कुछ ना कुछ बोल ही बैठती हैं।

तलाक के बाद सामंथा ने पोस्ट की नागा चैतन्य के साथ फोटो

सामंथा रुथ प्रभु और नागा चैतन्य की लव स्टोरी जितनी पॉपुलर है, उतनी ही उनकी डाइवोर्स की स्टोरी पर भी लोगो के नजरे है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम से नागा के साथ अपनी सारी फोटोज भी डिलीट कर दी थी और उन्हें इंस्टाग्राम पर अनफॉलो भी कर दिया था। अब अलग होने के बाद पहली बार सामंथा ने इंस्टाग्राम पर अपने एक्स- हस्बैंड नागा चैतन्य के साथ एक फोटो शेयर की है। अब सामंथा और नागा की ये फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। लेकिन इससे पहले कि फैंस खुश हों कि दोनों के बीच सब ठीक हो रहा है तो आपको बता दें कि ऐसा नहीं है। दरअसल, सामंथा ने नागा के साथ जो फोटो शेयर की है वो दोनों की फिल्म मजिली के पोस्टर की है। इस फिल्म के 3 साल पूरे होने पर सामंथा ने ये फोटो शेयर की। ये फिल्म 5 अप्रैल 2019 में रिलीज हुई थी। ये फिल्म सामंथा और नागा की चौथी फिल्म थी और शादी के बाद साथ में ये दोनों की पहली फिल्म भी थी। इस पोस्टर में नागा अपने किरदार पूर्ण चंदर राव के रूप में नजर आ रहे हैं और वह गुस्से वाले एक्सप्रेशन दे रहे है।

जुबिन नौटियाल ने निकिता दत्ता के साथ शादी से किया इंकार

म्यूजिक इंडस्ट्री के म्यूजिकल सेंसेशन जुबिन नौटियाल इन दिनों अपने प्रोफेशनल नहीं बल्कि पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। जुबिन नौटियाल निकिता दत्ता के साथ हाल ही में रिलीज हुए गाने 'मस्त नजरों से' में नजर आए थे। जिसके बाद से दोनों शादी की खबरों को लेकर भी चर्चा में बने हुए है वही दोनों के अफेयर की भी चर्चाएं अब आम हो गयी है। वही अपने इस इस रिश्ते पर दोनों में से किसी ने कोई बयान नहीं दिया था। लेकिन अब दोनों ने अपने रिश्ते की सच्चाई को लेकर चुप्पी तोड़ दी हैं। दरसअल जुबिन नौटियाल से शादी के बारे में पूछे जाने पर हंसते हुए कहा की, हम एक कॉफी डेट पर गए थे। वही कई बार चीजों का स्पष्टीकरण देना उसे खराब कर देता है। हमें लगा हम इस बारे में और बात करेंगे तो इसे और बड़ा मुद्दा बनाया जाएगा तो इसे जैसे हैं, वैसे ही रहने दें। वही हमारे परिवार वालों ने हमसे इस विषय पर बात की। जहां हमने उन्हें सब सच बता दिया लेकिन कही न कही इसका लाभ गाने को हो गया, इसलिए जो भी होता है, वह किसी कारण से ही होता है। वही निकिता दत्ता ने जुबिन नौटियाल के साथ अफेयर पर पूछे जाने पर कहा, इसके पहले कभी किसी के साथ मेरा नाम नहीं जुड़ा। यह पहली बार है और काफी मजेदार भी है। अब जब सच सामने आ रहा है तो कई लोग राहत की सांस ले रहे होंगे।